Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 12 July 2024

Dainik Jagran
Page - 07, 08

लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के अंक जोड़ बनेगी पीएचडी प्रवेश की मेरिट

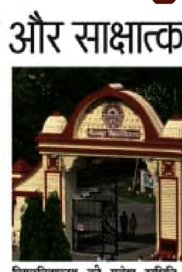

- गोवि के प्रवेश प्रकोष्ठ ने पीएचडी प्रवेश परीक्षा को लेकर स्पष्ट की स्थिति
- जुलाई के अंतिम तीन दिन में परीक्षा के आयोजन की है प्रकोष्ठ की तैयारी

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : पीएचडी प्रवेश परीक्षा के बाद बनने वाली मेरिट को लेकर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट की है। इस परीक्षा की मेरिट लिखित और साक्षात्कार के अंक जोड़कर बनेगी। लिखित परीक्षा पास करने के लिए केवल 50 प्रतिशत अंक हासिल करने की बाध्यता होगी। यानी 140 अंक की लिखित परीक्षा में अभ्यर्थी पर साक्षात्कार तक पहुंचने के लिए कम से कम 70 अंक पाने होंगे। ओबीसी, एससी-एसटी और ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों को 45 अंक पाने ही साक्षात्कार का अवसर दे दिया जाएगा। साक्षात्कार 60 अंक का होगा। मेरिट 200 अंक के पूर्णांक में मिले प्राप्तांक के आधार पर बनेगी।

पीएचडी में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों में इसे लेकर असमंजस की स्थिति है कि उनके प्रवेश का आधार क्या होगा। लिखित परीक्षा के आधार पर मेरिट बनाई जाएगी या केवल साक्षात्कार के अंक चयन का आधार बनेंगे। इसे लेकर दैनिक जागरण ने प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा से बात की तो उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति ने लिखित और साक्षात्कार दोनों परीक्षाओं के अंक को मिलाकर मेरिट बनाने का निर्णय लिया है। प्रवेश प्रक्रिया भी उसी आधार पर बढ़ाई जा रही है। लिखित परीक्षा 140 अंक की होगी, जो दो भाग में बंटी होगी। इसमें 70 अंक के सवाल रिसर्च मैथेडोलाजी से आएंगे जबकि 70 अंक में संबंधित विषय के सवाल होंगे। चयन की यह प्रक्रिया पीएचडी के नियमित पाठ्यक्रम के आवेदकों के लिए आयोजित होगी। प्रो. हर्ष ने बताया कि जुलाई के अंतिम तीन दिन में परीक्षा के आयोजन की है प्रकोष्ठ की तैयारी है। जल्द तिथि की घोषणा भी कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि 36 विषय की 874 सीटों के सापेक्ष पीएचडी में प्रवेश के लिए कुल 4996 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं। इसमें नियमित व पार्टटाइम दोनों पीएचडी पाठ्यक्रम की सीटें शामिल हैं।

परीक्षा के बाद शुरू होगी पार्ट टाइम पीएचडी में प्रवेश की प्रक्रिया: प्रो. हर्ष ने बताया कि पार्ट टाइम पीएचडी के आवेदनकर्ताओं को प्रवेश के लिए परीक्षा नहीं देनी होगी। उनकी प्रवेश प्रक्रिया ही परीक्षा के बाद शुरू होगी। प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों के दौरान या उसके बाद पार्ट टाइम पीएचडी के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार होगा। साक्षात्कार के दौरान उन्हें किसी शोध विषय पर 1000 शब्द की सिनोप्सिस लेकर आना होगा। उनके साक्षात्कार में शोध विषय से जुड़े ही सवाल पूछे जाएंगे। सवालों के जवाब पर आधारित अंक ही चयन का आधार बनेंगे।

पीएचडी में आवेदन के लिए विषय	36
पीएचडी की कुल सीटें	874
नियमित पीएचडी की सीटें	778
पार्ट टाइम पीएचडी की सीटें	86
पीएचडी के लिए कुल आवेदन	4996

100 से अधिक आवेदन वाले विषय व सीटें

विषय	सीटें	आवेदन
प्रा. इतिहास	23	208
बाटनी	58	189
कामर्स	49	356
केमिस्ट्री	63	162
अर्थशास्त्र	28	128
शिक्षाशास्त्र	54	512
अंग्रेजी	43	203
भूगोल	24	247
हिंदी	65	511
गृहविज्ञान	06	183
विधि	20	226
गणित	34	159
इतिहास	16	177
फिजिक्स	42	177
राजनीति विज्ञान	66	364
मनोविज्ञान	43	116
समाजशास्त्र	41	281
जंतुविज्ञान	70	230

प्राचीन इतिहास विभाग की अध्यक्ष बनीं प्रो. प्रज्ञा

प्रो. प्रज्ञा चतुर्वेदी

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष की जिम्मेदारी वरिष्ठ आचार्य प्रो. प्रज्ञा चतुर्वेदी को सौंपी है। उन्हें यह जिम्मेदारी चक्रानुक्रम में प्रो. दिग्विजयनाथ मौर्य का तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर सौंपी गई है। गुरुवार को उन्होंने कार्यभार संभाल लिया। वह तीन वर्ष या अगले आदेश तक इस पद पर बनी रहेंगी।

प्रो. प्रज्ञा ने अपनी उच्च शिक्षा विश्वविद्यालय से ही ग्रहण की है। उन्होंने वर्ष 2000 में प्रवक्ता के पद संभाला और 2015 में आचार्य पद तक पहुंच गईं। इस दौरान उनके 40 से अधिक शोधपत्र राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। चार पुस्तकें भी उन्होंने लिखीं। उनके मार्गदर्शन में 12 शोधार्थियों ने अपना शोध कार्य पूरा किया। वर्तमान में उनके पास आंतरिक शिकायत प्रकोष्ठ के अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी है।

लंदन से प्रकाशित हुई गोवि के डा. अंबरीश की पुस्तक

डा. अम्बरीश कुमार श्रीवास्तव

जासं, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. अम्बरीश कुमार श्रीवास्तव की पुस्तक 'कम्प्यूटेशनल स्टडीज' लंदन से प्रकाशित हुई है। यह डा. अम्बरीश की छठवीं पुस्तक है। लंदन के प्रकाशक टेलर-फ्रैंसिस ने इसका प्रकाशन किया है। इसमें कुल 14 अध्याय हैं, जो देश-विदेश के प्रसिद्ध वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं द्वारा लिखे गए हैं। पुस्तक में अणुओं से पदार्थों तक के अध्ययन में प्रयुक्त होने वाली विभिन्न संगणतीय विधियों एवं उनके अनुप्रयोग का वर्णन है।

डा. श्रीवास्तव की पांचवीं पुस्तक फरवरी में ही प्रकाशित हुई थी। उनके 130 से अधिक शोध पत्र विभिन्न अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स से प्रकाशित हुए हैं। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शोध पत्र के साथ-साथ पुस्तकों का प्रकाशन विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय छवि को निखारता है। यह रैंकिंग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

बदलेगी दीक्षा व संवाद भवन की सूरत, सड़क का होगा जीर्णोद्धार

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : कुलपति प्रो. पूनम टंडन की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की वित्त समिति ने बैठक में विश्वविद्यालय के विकास कार्यों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। साथ ही नए पाठ्यक्रम की शुल्क संरचना भी समिति के सदस्यों ने तय की। वित्त समिति ने छात्र सुविधाओं को बढ़ाने और मौजूदा बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के उद्देश्य से विकास समिति के प्रस्तावों को भी मंजूरी प्रदान किए गए।

हम अपने छात्रों को सर्वोत्तम शैक्षिक वातावरण प्रदान करने के लिए समर्पित हैं। इन नए कार्यक्रमों और विकास परियोजनाओं की स्वीकृति अकादमिक उत्कृष्टता और बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह पहल हमारे छात्रों को महत्वपूर्ण रूप से लाभान्वित करेंगी, उन्हें सफल होने के लिए आवश्यक संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध कराएंगी।
प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

वित्त समिति द्वारा लिए गए निर्णय के मुताबिक दीक्षा भवन और संवाद भवन के प्रारूप में बदलाव आएगा। उसे और सुंदर और सुविधाजनक बनाया जाएगा। विश्वविद्यालय की जर्जर हो चुकी एक किलोमीटर 800 मीटर जर्जर सड़क का जीर्णोद्धार कराया जाएगा। साथ ही सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए नई विद्युत वायरिंग की जाएगी। वित्त समिति ने मास कम्युनिकेशन और जर्नलिज्म के छात्रों के लिए मीडिया लैब के निर्माण के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की, जिसकी अनुमानित लागत आठ लाख रुपये होगी। इसके लिए वित्त समिति ने निर्णय लिया कि विश्वविद्यालय में सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन सेंटर बनाया जाएगा।

मुख्य परिसर और प्रशासनिक भवन में एक-एक कैंटीन बनाए जाने पर भी सहमति बनी। इससे छात्रों और कर्मचारियों के लिए भोजन व पेय पदार्थ की व्यवस्था सुनिश्चित हो सकेगी। वित्त समिति ने यह भी निर्णय लिया कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में पदक जीतने वाले छात्रों को प्रोत्साहन प्रदान करेगा।

Amar Ujala
Page - 06

डीडीयू : फार्मेसी पाठ्यक्रम की शुल्क संरचना को मंजूरी

बेहतर शैक्षिक सुविधाएं देने के लिए वित्त समिति ने लिए महत्वपूर्ण निर्णय

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में इसी सत्र से शुरू होने वाले डी और बी फार्मा के शुल्क संरचना को मंजूरी मिल गई है।

बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय की वित्त समिति की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसमें विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किया जा रहे नए प्रोग्राम के लिए शुल्क संरचना के साथ-साथ विश्वविद्यालय परिसर में किए जाने वाले नए विकास कार्य शामिल हैं।

मास कम्युनिकेशन और जर्नलिज्म के छात्रों के लिए मीडिया लैब की स्थापना को मंजूरी दी गई है, जिसकी अनुमानित लागत 8 लाख रुपये है।

यह अत्याधुनिक सुविधा छात्रों को नवीनतम मीडिया तकनीकों का उपयोग करने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगी। वित्त समिति ने विश्वविद्यालय में शुरू होने वाले नए शैक्षणिक कार्यक्रमों डीफार्मा, बीफार्मा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में एमएस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) में बीसीए, डेटा साइंसेज में बीसीए के लिए शुल्क संरचना को मंजूरी दी।

दीक्षा और संवाद भवन का होगा नवीनीकरण

वित्त समिति ने छात्र सुविधाओं को बढ़ाने और मौजूदा बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के उद्देश्य से विकास समिति के प्रस्तावों को मंजूरी दी। इसके तहत दीक्षा और संवाद भवन का नवीनीकरण किया जाएगा। आधुनिक और अनुकूल शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए व्यापक नवीनीकरण होगा। मुख्य सड़क की मरम्मत की जाएगी, साथ ही सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए नई विद्युत वायरिंग की जाएगी।

उत्कृष्ट एथलीटों के लिए प्रोत्साहन : विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में पदक जीतने वाले छात्रों को प्रोत्साहन प्रदान करेगा, उनकी असाधारण उपलब्धियों को मान्यता देगा और प्रोत्साहित करेगा।

छात्रों को सर्वोत्तम शैक्षिक वातावरण प्रदान करने के लिए हम समर्पित हैं। इन नए कार्यक्रमों और विकास परियोजनाओं की स्वीकृति अकादमिक उत्कृष्टता और बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ये पहल छात्रों को महत्वपूर्ण रूप से लाभान्वित करेंगी, उन्हें सफल होने के लिए आवश्यक संसाधन और सुविधाएं प्रदान करेंगी। - प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

डीडीयू के प्रोफेसर की पुस्तक लंदन में हुई प्रकाशित

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भौतिकी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ अम्बरीश कुमार श्रीवास्तव की पुस्तक 'कम्प्यूटेशनल स्टडीज' लंदन से प्रकाशित हुई है। यह उनकी छठवीं पुस्तक है।

लंदन के प्रकाशक टेलर-फ्रिंसस ने इसका प्रकाशन किया है। इसमें कुल 14 अध्याय हैं, जो देश-विदेश के प्रसिद्ध वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं द्वारा लिखे गए हैं। पुस्तक में अणुओं से पदार्थों तक के अध्ययन में प्रयुक्त होने वाली विभिन्न संगणतीय विधियों एवं उनके अनुप्रयोग का वर्णन है।

डॉ. श्रीवास्तव की पांचवीं पुस्तक फरवरी में ही प्रकाशित हुई थी। उनके 130 से अधिक शोध पत्र विभिन्न अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स से प्रकाशित हैं। डॉ. अम्बरीश ने बताया कि उनकी एक और पुस्तक इस वर्ष के अंत तक आ सकती है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शोध पत्र के साथ-साथ पुस्तकों का प्रकाशन विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय छवि को निखारता है।

प्रो. प्रज्ञा चतुर्वेदी बनीं प्राचीन इतिहास की विभागाध्यक्ष

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष के रूप में प्रो. प्रज्ञा चतुर्वेदी ने बृहस्पतिवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया।

उनका कार्यकाल तीन साल का होगा। प्रो. दिग्विजयनाथ मौर्य का कार्यकाल पूर्ण होने पर वरिष्ठता के चक्रानुक्रम में उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है।

प्रो. प्रज्ञा को जिम्मेदारी मिलने पर कुलपति प्रो. पूनम टंडन, कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी, प्रो. राजवंत राव, प्रो. डीएन दूबे, प्रो. शीतला प्रसाद सिंह, प्रो. रामप्यारे मिश्र, डॉ मणिंद्र, डॉ पद्मजा व डॉ विनोद आदि ने बधाई दी है। ब्यूरो

Hindustan
Page - 06, 07

डीडीयू में फार्मेसी, एमएस एआई और बीसीए के दो पाठ्यक्रमों के शुल्क निर्धारित

नए कोर्स की शुल्क संरचना पर मुहर

बैठक

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में इसी सत्र से शुरू हो रहे पांच नए कोर्स की शुल्क संरचना को वित्त समिति ने मंजूरी दे दी है। छात्रों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए कई अहम निर्णय भी लिए गए हैं। विभिन्न समितियों से पास हुए निर्णयों को भी अनुमोदन मिल गया।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन की अध्यक्षता में गुरुवार को वित्त समिति की बैठक हुई। इसमें नए शैक्षणिक कार्यक्रमों डीफार्मा, बीफार्मा, एमएस इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बीसीए इन इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), बीसीए इन डाटा साइंस की शुल्क संरचना को मंजूरी दे दी गई। पत्रकारिता के छात्रों के लिए मीडिया लैब की स्थापना को मंजूरी दी गई है। लागत 8 लाख रुपये है। यह अत्याधुनिक सुविधा छात्रों को नवीनतम मीडिया तकनीकों का उपयोग करने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगी।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक नई आशा के वृक्षारोपण अभियान के तहत कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने डीडीयू परिसर में पौधरोपण किया।

छात्रों के लिए नए कार्यक्रमों और विकास परियोजनाओं की स्वीकृति अकादमिक उत्कृष्टता और बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इससे छात्र लाभांवित होंगे। छात्रों के लिए आवश्यक संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कई कार्यों को मंजूरी मिली है। -प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

दीक्षा भवन के सुंदरीकरण को भी मंजूरी: वित्त समिति ने छात्र सुविधाओं को बढ़ाने और मौजूदा बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के उद्देश्य से विकास समिति के प्रस्तावों को मंजूरी दी। इसके तहत दीक्षा भवन और संवाद भवन का सुंदरीकरण किया जाएगा। आधुनिक और अनुकूल शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए व्यापक नवीनीकरण होगा। कैंपस में 1.8 किमी आरसीसी सड़क बनेगी। सड़क का दोहरीकरण भी होगा।

नए भवन का निर्माण: विवि में सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन सेंटर बनाया जाएगा। यह अनुसंधान और शिक्षा के लिए उन्नत संसाधन प्रदान करेगा। विभिन्न विभागों की आवश्यक मरम्मत की जाएगी। कैंपस और प्रशासनिक ब्लॉक दोनों में एक कैंटीन खोली जाएगी, जिससे भोजन और पेय पदार्थों तक सुविधाजनक पहुंच सुनिश्चित होगी। उत्कृष्ट एथलीटों के लिए प्रोत्साहन विवि राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में पदक जीतने वाले छात्रों को प्रोत्साहन प्रदान करेगा।

डीडीयू में नए सत्र का शुभारंभ, लौटी रौनक: डीडीयू में गुरुवार को नए सत्र 2024-25 का आगाज हो गया। काफी दिनों बाद विवि खुला तो इसका उत्साह विद्यार्थियों के चेहरे पर साफ नजर आया। कई विभागों में इक्का-दुक्का छात्र-छात्राओं के पहुंचने के बाद भी कक्षाएं संचालित हुईं। कुलपति प्रो. पूनम टंडन के निर्देशानुसार पहले ही विभागों ने टाइम टेबल जारी कर दिया था। इससे पहले दिन से ही कक्षाओं में पढ़ाई शुरू हो गई।

रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य पढ़ेंगे अंग्रेजी के छात्र

डीडीयू

ईश्वर सिंह

- परास्नातक चौथे सेमेस्टर में प्रथम प्रश्नपत्र होगा तुलनात्मक साहित्य
- जयशंकर प्रसाद की कामायनी, ग्रीक लेखक होमर की ओडीसी भी
- तुलनात्मक साहित्य में पुनर्लेखन साहित्य को भी दिया है स्थान

गोरखपुर। महाकाव्यों को लेकर प्रायः छात्रों के मन में उत्सुकता रहती है। अलग-अलग महाकाव्यों को पढ़ना और समझना बेहद रोचक होता है। इसे देखते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग ने महाकाव्यों को लेकर 'तुलनात्मक साहित्य' को अपने पाठ्यक्रम में जगह दी है। इसमें विद्यार्थी रामायण, महाभारत से लेकर विभिन्न महाकाव्यों के बारे में जान सकेंगे। एमए चतुर्थ सेमेस्टर में प्रथम प्रश्नपत्र के रूप में कोर कोर्स के रूप में इसे शामिल किया गया है।

डीडीयू के अंग्रेजी विभाग ने पीजी चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में महाकाव्यों को जगह दी है। 'तुलनात्मक साहित्य' पाठ्यक्रम में वाल्मीकि रामायण वेदव्यास रचित महाभारत के बारे में विद्यार्थी जान सकेंगे। तुलसीदास रचित रामचरितमानस, जयशंकर प्रसाद की कामायनी को भी पाठ्यक्रम में जगह दी गई है। ग्रीक लेखक होमर की विश्व प्रसिद्ध महाकाव्य ओडीसी को भी पाठ्यकम का हिस्सा बनाया गया है। फिरदौसी की शाहनामा भी कोर्स में महाकाव्य का हिस्सा होगा। पुनःकथन में कालीदास की 'अभिज्ञान शाकुंतलम्', यशपाल की 'अप्सरा का शाप', मैथिलीशरण की 'यशोधरा' व अश्वघोष की बुद्ध चरित्र को भी तुलनात्मक साहित्य का हिस्सा बनाया गया है।

यूजी में हिन्दी, बांग्ला, पंजाबी साहित्य : यूजी चार वर्षीय पाठ्यक्रम में भी 'इंडियन लिटरेचर इन ट्रांसलेशन' में कुछ नए अध्याय जोड़े गए हैं। स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर के अंग्रेजी के इस पेपर में 6 यूनिट रखे गए हैं। इसमें अनुवाद का नियम, उपन्यास, लघु उपन्यास, कविता, ड्रामा और अनुवाद अभ्यास में विभाजित किया गया है। इसमें हिन्दी, बांग्ला, पंजाबी, मराठी, उड़िया और मलयालम के प्रसिद्ध साहित्यकारों की रचनाओं को शामिल किया गया है।

मुंशी प्रेमचंद की निर्मला भी पढ़ेंगे : यूजी चतुर्थ सेमेस्टर में अमृता प्रीतम की पंजाबी कविता 'वारिश शाह', केदारनाथ सिंह की 'द ग्रास', लघु उपन्यास में भीष्म साहनी की 'अमृतसर आ गया', फकीर मोहन सेनापति की उड़िया भाषा की 'रेवती', अशगर वजाहत की 'केक' उपन्यास में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला', रवीन्द्र नाथ टैगोर की 'द होम एंड द वर्ल्ड' को शामिल किया गया है। ड्रामा में मोहन राकेश की 'आषाढ़ का एक दिन' और मराठी लेखक विजय तेंदुलकर की 'सांताता कोर्ट चालू आहे' भी छात्र पढ़ेंगे।

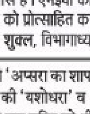

पाठ्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं के साहित्य को शामिल किया गया है। यह पाठ्यक्रम एनईपी के अनुरूप विभिन्न साहित्यिक परंपराओं के बीच संवाद स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। एनईपी का उद्देश्य बहुभाषी ज्ञान को प्रोत्साहित करना है। - प्रो. अजय शुक्ल, विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी

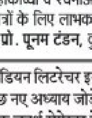

एनईपी के तहत क्षेत्रीय साहित्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंग्रेजी विभाग ने इसे कोर कोर्स के रूप में शामिल किया है। क्षेत्रीय व विदेशी महाकाव्यों व रचनाओं को पढ़ना छात्रों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। - प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

यूजी-पीजी के कई विषयों के परीक्षाफल घोषित

गोरखपुर। डीडीयू में सत्र 2023-14 के स्नातक और परास्नातक के कई विषयों के परीक्षा परिणाम गुरुवार को जारी कर दिए गए। परीक्षा नियंत्रक डॉ कुलदीप सिंह ने बताया कि परीक्षाफल वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। एमए गृह विज्ञान के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर, एमए कंटीनूईंग एंड एडल्ट एजुकेशन के द्वितीय सेमेस्टर, एमएससी बॉटनी द्वितीय सेमेस्टर, एमएससी एक्वाकल्चर द्वितीय सेमेस्टर आदि के परीक्षाफल गुरुवार को जारी हो गया।

प्रो. प्रज्ञा बनीं प्राचीन इतिहास की विभागाध्यक्ष

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष के रूप में प्रो. प्रज्ञा चतुर्वेदी ने गुरुवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। उनका कार्यकाल तीन साल का होगा। प्रो. दिग्विजयनाथ मौर्य का कार्यकाल पूर्ण होने पर वरिष्ठता के चक्रानुक्रम में उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है। प्रो. प्रज्ञा को कुलपति प्रो. पूनम टंडन, कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी, प्रो. राजवंत राव, प्रो. डीएन दूबे, प्रो. शीतला प्रसाद सिंह, प्रो. राम प्यारे मिश्र आदि ने बधाई व शुभकामनाएं दी है।

लंदन से प्रकाशित हुई गोरखपुर विवि के डॉ. अम्बरीश की छठी पुस्तक

गोरखपुर। डीडीयू के भौतिकी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ अम्बरीश कुमार श्रीवास्तव की पुस्तक 'कम्प्यूटेशनल स्टडीज' लंदन से प्रकाशित हुई है। यह डॉ अम्बरीश की छठवीं पुस्तक है। लंदन के प्रकाशक टेलर-फ्रैन्सिस ने इसका प्रकाशन किया है। इसमें कुल 14 अध्याय हैं, जो देश-विदेश के प्रसिद्ध वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं द्वारा लिखे गए हैं। पुस्तक में अणुओं से प्रदार्थों तक के अद्धयन में प्रयुक्त होने वाली विभिन्न संगणतीय विधियों एवं उनके अनुप्रयोग का वर्णन है। डॉ. श्रीवास्तव की पांचवीं पुस्तक फ़रवरी में ही प्रकाशित हुई थी। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने उन्हें शुभकामनाएं दी।

Inext Page - 04

लिखित एग्जाम और इंटरव्यू के नंबर से बनेगी पीएचडी की मेरिट

डीडीयू के एडमिशन सेल ने पीएचडी प्रवेश का प्रोसीजर बताया

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (11 July): पीएचडी प्रवेश परीक्षा के बाद बनने वाली मेरिट को लेकर डीडीयू प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है. इस एग्जाम की मेरिट लिखित और साक्षात्कार के अंक जोड़कर बनेगी. लिखित परीक्षा पास करने के लिए केवल 50 प्रतिशत अंक हासिल करने की बाध्यता होगी. यानी 140 अंक की लिखित परीक्षा में अभ्यर्थी पर साक्षात्कार तक पहुंचने के लिए कम से कम 70 अंक पाने होंगे. ओबीसी, एससी-एसटी और ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों को 45 अंक पाने ही साक्षात्कार का अवसर दे दिया जाएगा. साक्षात्कार 60 अंक होगा. मेरिट 200 अंक के पूर्णांक में मिले प्राप्तांक के आधार पर बनेगी.

प्रवेश समिति का फैसला

पीएचडी में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों में इसे लेकर असमंजस की स्थिति है कि उनके प्रवेश का आधार क्या होगा. लिखित परीक्षा के आधार पर मेरिट बनाई जाएगी या केवल साक्षात्कार के अंक चयन का आधार बनेंगे. इसे लेकर दैनिक जागरण ने प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा से बात की तो उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति ने दोनों परीक्षाओं के अंक को मिलाकर मेरिट बनाने का निर्णय लिया है.

100 से अधिक आवेदन वाले विषय व सीटें

विषय	सीटें आवेदन
प्रा. इतिहास	23 208
बाटनी	58 189
कामर्स	49 356
कैमेस्ट्री	63 162
अर्थशास्त्र	28 128
शिक्षाशास्त्र	54 512
अंग्रेजी	43 203
भूगोल	24 247
हिंदी	65 511
गृहविज्ञान	06 183
विधि	20 226
गणित	34 159
इतिहास	16 177
फिजिक्स	42 177
राजनीति वि	66 364
मनोविज्ञान	43 116
समाजशास्त्र	41 281
जंतुविज्ञान	70 230

- पीएचडी में आवेदन के लिए विषय : 36
- पीएचडी की कुल सीटें 874
- नियमित पीएचडी की सीटें : 778
- पार्ट टाइम पीएचडी की सीटें : 86
- पीएचडी के लिए कुल आवेदन : 4996

4996 ने किया है आवेदन

प्रवेश प्रक्रिया भी उसी आधार पर बढ़ाई जा रही है. लिखित परीक्षा 140 अंक की होगी, जो दो भाग में बंटी होगी. इसमें 70 अंक के सवाल रिसर्च मैथेडोलाजी से आएंगे जबकि 70 अंक में संबंधित विषय के सवाल होंगे. चयन की यह प्रक्रिया पीएचडी के नियमित पाठ्यक्रम के आवेदकों के लिए आयोजित होगी. प्रो. हर्ष ने बताया कि जुलाई के अंतिम तीन दिन में परीक्षा के आयोजन की है प्रकोष्ठ की तैयारी है. जल्द तिथि की घोषणा भी कर दी जाएगी. उन्होंने बताया कि 36 विषय की 874 सीटों के सापेक्ष पीएचडी में प्रवेश के लिए कुल 4996 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं. इसमें नियमित व पार्टटाइम दोनों पीएचडी पाठ्यक्रम की सीटें शामिल है.

लंदन से प्रकाशित हुई डॉ. अंबरीश की पुस्तक

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (11 July): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. अम्बरीश कुमार श्रीवास्तव की पुस्तक 'कम्प्यूटेशनल स्टडीज' लंदन से प्रकाशित हुई है. यह डा. अम्बरीश की छठवीं पुस्तक है. लंदन के प्रकाशक टेलर-फ्रैन्सिस ने इसका प्रकाशन किया है. इसमें कुल 14 अध्याय हैं, जो देश-विदेश के प्रसिद्ध वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं द्वारा लिखे गए हैं. पुस्तक में अणुओं से पदार्थों तक के अध्ययन में प्रयुक्त होने वाली विभिन्न संगणतीय विधियों एवं उनके अनुप्रयोग का वर्णन है. डॉ. श्रीवास्तव की पांचवीं पुस्तक फरवरी में ही प्रकाशित हुई थी. उनके 130 से अधिक शोध पत्र विभिन्न अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स से प्रकाशित हुए हैं. कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शोध पत्र के साथ-साथ पुस्तकों का प्रकाशन विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय छवि को निखारता है. यह रैंकिंग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.

प्राचीन इतिहास विभाग की अध्यक्ष बनीं प्रो. प्रज्ञा

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (11 July): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष की जिम्मेदारी वरिष्ठ आचार्य प्रो. प्रज्ञा चतुर्वेदी को सौंपी है. उन्हें यह जिम्मेदारी चक्रानुक्रम में प्रो. दिग्विजयनाथ मौर्य का तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर सौंपी गई है. गुरुवार को उन्होंने नए विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाल लिया. वह तीन वर्ष या अगले आदेश तक इस पद पर बनी रहेंगी. प्रो. प्रज्ञा ने अपनी उच्च शिक्षा विश्वविद्यालय से ही ग्रहण की है. उन्होंने वर्ष 2000 में प्रवक्ता के पद संभाला और 2015 में आचार्य पद तक पहुंच गई. इस दौरान उनके 40 से अधिक शोधपत्र राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए. चार पुस्तकें भी उन्होंने लिखीं. उनके मार्गदर्शन में 12 शोधार्थियों ने अपना शोध कार्य पूरा किया.

कार्यालय-राज्य उपभोक्
सी-1, विक्रान्त खण्ड-1

बदली जाएगी दीक्षा व संवाद भवन की सूरत

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (11 July): वीसी प्रो. पूनम टंडन की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की वित्त समिति ने बैठक में विश्वविद्यालय के विकास कार्यों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, साथ ही नए पाठ्यक्रम की शुल्क संरचना भी समिति के सदस्यों ने तय की. वित्त समिति ने छात्र सुविधाओं को बढ़ाने और मौजूदा बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के उद्देश्य से विकास समिति के प्रस्तावों को भी मंजूरी प्रदान किए गए.

सड़क की बदलेगी सूरत

वित्त समिति द्वारा लिए गए, निर्णय के मुताबिक दीक्षा भवन और संवाद भवन के प्रारूप में बदलाव आएगा. उसे और सुंदर और सुविधाजनक बनाया जाएगा. विश्वविद्यालय की जर्जर हो चुकी एक किलोमीटर 800 मीटर जर्जर सड़क का जीर्णोद्धार कराया जाएगा. साथ ही सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए नई विद्युत वायरिंग की जाएगी. वित्त समिति ने मास कम्युनिकेशन और जर्नलिज्म के छात्रों के लिए मीडिया लैब के निर्माण के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की, जिसकी अनुमानित लागत आठ लाख रुपये होगी. इसके लिए वित्त समिति ने निर्णय लिया कि विश्वविद्यालय में सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन सेंटर बनाया जाएगा. यह अनुसंधान और शिक्षा के लिए उन्नत संसाधन प्रदान करेगा.

वित्त समिति ने लिया निर्णय

मुख्य परिसर और प्रशासनिक भवन में एक-एक कैंटीन बनाए जाने पर भी सहमति बनी. इससे छात्रों और कर्मचारियों के लिए भोजन व पेय पदार्थ की व्यवस्था सुनिश्चित हो सकेगी. वित्त समिति ने यह भी निर्णय लिया कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में पदक जीतने वाले छात्रों को प्रोत्साहन प्रदान करेगा, उनकी असाधारण उपलब्धियों को मान्यता देगा. वित्त समिति ने विश्वविद्यालय में शुरू होने वाले नए शैक्षणिक कार्यक्रम डीफार्मा, बीफार्मा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में एमएससी, इंटरनेट आफ थिंग्स (आईओटी) में बीसीए, डेटा साइंसेज में बीसीए के लिए शुल्क संरचना को भी मंजूरी प्रदान कर दी

Amar Ujala Select
Page - 05

अभियान : मंडल में रोपे जाएंगे1.59 करोड़ पौधे

20 जुलाई को आयोजित किया जाएगा पौधरोपण कार्यक्रम

गोरखपुर। कमिश्नर अनिल ढींगरा की अध्यक्षता में 'पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ जन अभियान' की तैयारी के लिए मण्डल स्तरीय बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य वन संरक्षक ने बताया कि प्रदेश की हरियाली में संवर्द्धन, बढ़ते प्रदूषण पर नियंत्रण तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए प्रदेश सरकार के संकल्प तथा शासन स्तर पर लिए गए निर्णय के अनुसार 35 करोड़ वृक्षारोपण लक्ष्यों का निर्धारण किया गया है। 'पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ जन अभियान' के अंतर्गत मुख्य वृक्षारोपण कार्यक्रम 20 जुलाई 2024 को आयोजित किया जाएगा। गोरखपुर मण्डल में 1.59 करोड़ पौधरोपण किया जायेगा।

कमिश्नर ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि 20 जुलाई को होने वाले इस कार्यक्रम के पहले सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर लें।

पौधरोपण करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन व अन्य।

डीडीयू : पौधरोपण अभियान का शुभारंभ

गोरखपुर। एक नई आशा संस्था ने पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण के लिए बृहस्पतिवार को गोरखपुर विश्वविद्यालय में पौधरोपण अभियान का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने सागौन का पौधा लगाकर अभियान की शुरुआत की। कुलपति ने संस्था के अभियान की प्रशंसा की। इस मौके पर विश्वविद्यालय के सभी मालियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान शशांक, प्रो. आमोद राय, आशीष छापड़िया, सीमा छापड़िया, अरविंद अग्रवाल, कनक हरी अग्रवाल, स्वाति अग्रवाल, रमेश दुबे, किरण दुबे, सुबोध जालान आदि मौजूद रहे।

डीडीयू : फार्मेसी पाठ्यक्रम की शुल्क संरचना को मंजूरी

मीडिया लैब की होगी स्थापना, वित्त समिति ने लिए महत्वपूर्ण निर्णय

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में इसी सत्र से शुरू होने वाले डी और बी फार्मा के शुल्क संरचना को मंजूरी मिल गई है। बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय की वित्त समिति की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसमें विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किया जा रहे नए प्रोग्राम के लिए शुल्क संरचना के साथ-साथ विश्वविद्यालय परिसर में किए जाने वाले नए विकास कार्य शामिल हैं। मास कम्युनिकेशन और जर्नलिज्म के छात्रों के लिए मीडिया लैब की स्थापना को मंजूरी दी गई है, जिसकी अनुमानित लागत 8 लाख रुपये है।

यह अत्याधुनिक सुविधा छात्रों को नवीनतम मीडिया तकनीकों का उपयोग करने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगी। वित्त समिति ने विश्वविद्यालय में शुरू होने वाले नए शैक्षणिक कार्यक्रमों डीफार्मा, बीफार्मा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में एमएस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) में बीसीए, डेटा साइंसेज में बीसीए के लिए शुल्क संरचना को मंजूरी दी।

छात्रों को सर्वोत्तम शैक्षिक वातावरण प्रदान करने के लिए हम समर्पित हैं। इन नए कार्यक्रमों और विकास परियोजनाओं की स्वीकृति अकादमिक उत्कृष्टता और बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ये पहल छात्रों को महत्वपूर्ण रूप से लाभान्वित करेंगी, उन्हें सफल होने के लिए आवश्यक संसाधन और सुविधाएं प्रदान करेंगी। - प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

दीक्षा और संवाद भवन का नवीनीकरण : वित्त समिति ने छात्र सुविधाओं को बढ़ाने और मौजूदा बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के उद्देश्य से विकास समिति के प्रस्तावों को मंजूरी दी। इसके तहत दीक्षा और संवाद भवन का नवीनीकरण किया जाएगा। आधुनिक और अनुकूल शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए व्यापक नवीनीकरण होगा।

प्रो. प्रज्ञा चतुर्वेदी बनीं प्राचीन इतिहास की विभागाध्यक्ष

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष के रूप में प्रो. प्रज्ञा चतुर्वेदी ने बृहस्पतिवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। उनका कार्यकाल तीन साल का होगा। प्रो. दिग्विजयनाथ मौर्य का कार्यकाल पूर्ण होने पर वरिष्ठता के चक्रानुक्रम में उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है। प्रो. प्रज्ञा को जिम्मेदारी मिलने पर कुलपति प्रो. पूनम टंडन, कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी, प्रो. राजवंत राव आदि ने बधाई दी है।

Rashtriya Sahara Page - 05, 06

पर्यावरण को बचाना है तो पेड़ अवश्य ही लगाएं

गोरखपुर(एसएनबी)। एक नयी आशा संस्था के तत्वावधान में पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण के लिए दृढ़ संकल्प लेते हुए संस्था के सदस्यों ने गुरुवार को वृहद वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत करते हुए दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय में वृक्षारोपण का आयोजन किया।

कार्यक्रम का आरंभ मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने सागौन के पेड़ लगाकर अभियान की शुरुआत की। तत्पश्चात संस्था द्वारा वि.वि. के विवेकानंद पार्क में 1 से भी ज्यादा सागौन, पीपल इत्यादि के पेड़ लगाए गए, एवं प्राचार्य को आश्वासन दिया गया कि इन पेड़ों की देखभाल संस्था के सदस्यों द्वारा की जाएगी। इस दौरान कुलपति ने इस तरह के कार्यक्रमों में सहभागिता का आश्वासन भी दिया। वि.वि. में सैकड़ों पेड़ लगाने से वहां आने वाले सभी छात्रों को शुद्ध हवा मिलेगी एवं प्रदूषण भी कम होगा। अंत में वि.वि.के सभी मालियों को भी सम्मानित किया गया।

विवि में एक नई आशा के तत्वावधान में पौधरोपण करती कुलपति प्रो.पूनम टंडन।

इस अवसर पर संस्था के आशीष छापड़िया, सीमा छापड़िया, अरविंद अग्रवाल, कनक हरी अग्रवाल, स्वाति अग्रवाल, रमेश दुबे, किरण दुबे, सुबोध जालान, अंजना जालान, राधा सिंघानिया, आशा अग्रवाल, अनुराग अग्रवाल, हर्षिता अग्रवाल, मुकुल जालान, रेनू बलानी, संजय जालान, रितु जालान, परिमल गोयनका, नम्रता गोयनका, मुदिता जालान एवं पल्लवी शुक्ला व वि.वि. परिवार से इंजीनियर शशांक, प्रो.आमोद राय व संपत्ति विभाग सहित अन्य का विशेष योगदान रहा।

डीडीयू ने घोषित किये कई पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम

गोरखपुर(एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में गुरुवार को स्नातक एवं स्नातकोत्तर के अन्तर्गत विभिन्न पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम जारी किये गये हैं। इन्हें सम्बन्धित विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

■ परिणाम डीडीयू की वेबसाइट पर अपलोड

कुलपति प्रो. पूनम टंडन के आदेश पर जारी परीक्षा परिणामों केबारे में परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि घोषित परिणामों में एमए गृह विज्ञान के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर, एमए कंटीनुईंग एंड एडल्ट एजुकेशन के द्वितीय सेमेस्टर, एमएस-सी वनस्पति विज्ञान के द्वितीय सेमेस्टर, एमएस-सी एक्वाकल्चर के द्वितीय सेमेस्टर, एमएस-सी फूड टेक्नोलॉजी के द्वितीय सेमेस्टर, एमए शारीरिक शिक्षा के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर, एमएस-सी (कृषि) जेनेटिक एंड प्लांट ब्रीडिंग एवं एमएस-सी (कृषि) एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स के द्वितीय सेमेस्टर, बीकाम के द्वितीय सेमेस्टर, बीएस-सी गृह विज्ञान के द्वितीय सेमेस्टर, बीबीए के द्वितीय सेमेस्टर सत्र 2023-24 शामिल हैं। उक्त परीक्षाफल विश्वविद्यालय की वेबसाइट [illegible] पर अपलोड है।

नवीन सत्र में नए पाठ्यक्रमों की शुल्क संरचना को मिली मंजूरी

गोरखपुर(एसएनबी)। गोविवि. में गुरुवार को आयोजित वित्त समिति की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णयों पर मुहर लगी। इस दौरान जहां विश्वविद्यालय में नये सत्र से प्रारंभ होने वाले पाठ्यक्रमों की शुल्क संरचना को मंजूरी दी गयी वहीं डीडीयू परिसर का सुंदरीकरण, नये कैंटीन, नये भवन निर्माण, छात्रों के लिए कक्षाओं का नवीनीकरण व सुविधाओं में बढ़ोत्तरी इत्यादि कार्य कराने के लिए सहमति बनी।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय कि कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन की अध्यक्षता में आयोजित वित्त समिति की बैठक में हुए निर्णयों में विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किया जा रहे है नए प्रोग्राम के लिए शुल्क संरचना के साथ साथ विश्वविद्यालय परिसर में किए जाने वाले नए विकास कार्य शामिल है।

नए पाठ्यक्रमों की तय हुयी शुल्क संरचना : वित्त समिति ने विश्वविद्यालय में शुरू होने वाले नए शैक्षणिक कार्यक्रमों- डीफार्मा, बीफार्मा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में एमएस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) में बीसीए, डेटा साइंसेज में बीसीए के लिए शुल्क संरचना को मंजूरी दी है।

- ■ डीडीयू में वित्त समिति की बैठक में हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय
- ■ विभागों की मरम्मत, नये भवन, कक्षाओं का नवीनीकरण होगा
- ■ 8 लाख की लागत से मीडिया लैब की होगी स्थापना

दीक्षा और संवाद भवन का होगा नवीनीकरण

वित्त समिति द्वारा छात्र सुविधाओं को बढ़ाने और मौजूदा बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के उद्देश्य से विकास समिति के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। प्रमुख परियोजनाओं में दीक्षा और संवाद भवन का नवीनीकरण किया जायेगा। छात्रों के लिए सुविधायुक्त कक्षाओं का नये सिरे से संवारने की प्रक्रिया चलेगी।

डीडीयू की मुख्य सड़क की होगी मरम्मत : विश्वविद्यालय की क्षतिग्रस्त 1.8 मीटर की मुख्य सड़क की आवश्यक मरम्मत की जाएगी, साथ ही सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए नई विद्युत वायरिंग भी होगी। साथ ही जरूरत के मुताबिक नए भवन का निर्माण होगा। शोध को बढ़ावा देने के लिए लैबों को उच्चीकृत किया जायेगा। इसके अलावा विभिन्न विभागों की आवश्यक मरम्मत की जाएगी।

मास कम्युनिकेशन और जर्नलिज्म के छात्रों के लिए मीडिया लैब की स्थापना को मंजूरी दी गई है, जिसकी अनुमानित लागत 8 लाख रुपये है। यह अत्याधुनिक सुविधा छात्रों को नवीनतम मीडिया तकनीकों का उपयोग करने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगी।

कैंपस में बढ़ायी जायेंगी ये सुविधाएं : जिससे छात्रों और कर्मचारियों के लिए भोजन और पेय पदार्थों के लिए कैंपस और प्रशासनिक ब्लाक दोनों में एक कैंटीन जोड़ी जाएगी। साथ ही विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में पदक जीतने वाले छात्रों को प्रोत्साहन दिया जायेगा।

हम छात्रों को सर्वोत्तम शैक्षिक वातावरण देंगे: कुलपति : वित्त समिति की बैठक के बाद कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा, हम अपने छात्रों को सर्वोत्तम शैक्षिक वातावरण प्रदान करेंगे। जिसके अन्तर्गत कई नये पाठ्यक्रम शुरू किये जा रहे हैं। छात्रों को कक्षाओं में बेहतर सुविधाएं और उच्चीकृत लैब दिये जाएंगे जहां वे अनुसंधान के लिए सहज हो पाएंगे।

डीडीयू परिसर में छात्रों की बढ़ी आमद-रफ्त

गोरखपुर(एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में नवीन सत्र 2024-25 की गुरुवार को शुरुआत हो गयी है। पहले दिन जहां विभिन्न विभागों में छात्रों की आमद-रफ्त बढ़ गयी वहीं परास्नातक की कक्षाओं में भी छात्रों की अच्छी उपस्थिति देखी गयी। इस दौरान विभागाध्यक्षों ने छात्रों को नवीन शैक्षणिक योजनाओं से अवगत कराया तथा उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये।

- ■ नये सत्र के पहले दिन गुलजार रहीं कक्षाएं
- ■ यूजी के तीसरे, पांचवें, सातवें एवं नवें सेमेस्टर के विद्यार्थी दिखे
- ■ परास्नातक के तीसरे सेमेस्टर की कक्षाएं भी प्रारंभ

गोविवि. तथा संबद्ध महाविद्यालयों में गुरुवार से नवीन सत्र का प्रारंभ हो गया है। विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में कुलसचिव ने तीसरे, पांचवे, सातवें एवं नवें सेमेस्टर तथा परास्नातक के तृतीय सेमेस्टर की कक्षाओं का संचालन के निर्देश दिये थे। जिसके तहत कक्षाएं प्रारंभ हो गयीं।

राजनीति विज्ञान विभाग, अंग्रेजी विभाग, अर्थशास्त्र विभाग इत्यादि में पहले दिन सेमेस्टर छात्रों की कक्षाएं उनके आगमन से चहल-पहल भरी रहीं। शिक्षक भी उत्साहित दिखे। प्रो. अजय शुक्ला विभागाध्यक्ष अंग्रेजी विभाग ने बताया कि उनके यहां पहले दिन 35 छात्रों की उपस्थिति प्रफुल्लित कर गयी। ऐसे ही अन्य विभागों का भी हाल रहा।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन के निर्देश पर विभागाध्यक्षों ने कक्षाओं की समय सारिणी पहले ही जारी कर दिया था। शैक्षणिक कैलेंडर भी अधिकांश विभागाध्यक्षों ने बनाकर तैयार कर लिया गया है। नए छात्रों का स्वागत भी विश्वविद्यालय में होगा साथ ही छात्रों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित करने के लिए भी विश्वविद्यालय की योजना है। जिसके लिए कुलपति ने सभी विभागाध्यक्षों को पहले से ही निर्देशित कर रखा है।

मेधावी छात्रों को पहले दिए जाएंगे छात्रावास: नए सत्र शुरू होने के कुछ दिन बाद से ही छात्रावासों में पुराने छात्र-छात्राओं के लिए छात्रावासों के आवंटन की प्रक्रिया प्रारंभ हो जायेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन मेडोटेरियस छात्रों को पहले छात्रावास का आवंटन करेगा जिसका निर्धारण सीजीपीए के आधार पर होगा। साथ ही उनके चरित्र का आकलन भी विश्वविद्यालय करेगा।

डीडीयू के डा. अम्बरीश की छठी पुस्तक लन्दन से प्रकाशित

गोरखपुर(एसएनबी)। गोरखपुर विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अम्बरीश कुमार श्रीवास्तव की छठी पुस्तक हाल ही में लन्दन के प्रकाशक टेलर-फ्रैंसिस से प्रकाशित हुई है। पुस्तक में अणुओं से प्रदार्थों तक के अध्ययन में प्रयुक्त होने वाली विभिन्न संगणतीय विधियों एवं उनके अनुप्रयोग का वर्णन है।

■ विभिन्न संगणतीय विधियों एवं उनके अनुप्रयोग पर है पुस्तक

इस सम्पादित पुस्तक का शीर्षक कम्प्यूटेशनल स्टडीज है जिसमें कुल 14 अध्याय हैं जो देश-विदेश के प्रसिद्ध वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं द्वारा लिखे गए हैं। उनकी इसी वर्ष पांचवी पुस्तक प्रकाशित हुई थी। डा. अम्बरीश ने बताया कि इनकी एक और पुस्तक प्रकाशनाधीन है जो इसी वर्ष के अंत तक आ सकती है। कुलपति प्रो. पूनम टण्डन ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शोधपत्र के साथ-साथ पुस्तकों का प्रकाशन विश्वविद्यालय की अंतर्राष्ट्रीय छवि को निखारता है और रैंकिंग को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

Swatantra Chetna

छात्रों को सर्वोत्तम शैक्षिक वातावरण प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय समर्पित :कुलपति

☐ छात्रों को बेहतर शैक्षिक सुविधाएं देने के लिए वित्त समिति ने लिए महत्वपूर्ण निर्णय

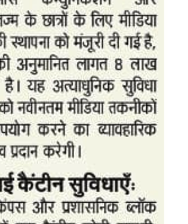

स्वतंत्र चेतना गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय कि कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन की अध्यक्षता में आयोजित विश्वविद्यालय की वित्त समिति की बैठक में आज कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में लिए गए निर्णय में विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किया जा रहे हैं नए प्रोग्राम के लिए शुल्क संरचना के साथ-साथ विश्वविद्यालयपरिसर में किए जाने वाले नए विकास कार्य शामिल है।

नए कार्यक्रमों के लिए शुल्क संरचना

वित्त समिति ने विश्वविद्यालय में शुरू होने वाले नए शैक्षणिक कार्यक्रमों- डीफार्मा, बीफार्मा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में एमएस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) में बीसीए, डेटा साइंसेज में बीसीए के लिए शुल्क संरचना को मंजूरी दी है ये कार्यक्रम छात्रों को उन्नत ज्ञान और कौशल से लैस करने के लिए डिजाइन किए गए हैं जो उन्हें संबंधित क्षेत्रों में सफल करियर के लिए तैयार करेंगे वित्त समिति ने छात्र सुविधाओं को बढ़ाने और मौजूदा बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के उद्देश्य से विकास समिति के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। प्रमुख परियोजनाओं में शामिल हैं।

कार्यक्षमता और सौंदर्य में सुधार के लिए महत्वपूर्ण उन्नयन,कक्षाओं का नवीनीकरण,आधुनिक और अनुकूल शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए व्यापक नवीनीकरण।1.8 मीटर की मुख्य सड़क की आवश्यक मरम्मत की जाएगी, साथ ही सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए नई विद्युत वायरिंग की जाएगी।

मीडिया लैब की स्थापना

मास कम्युनिकेशन और जर्नलिज्म के छात्रों के लिए मीडिया लैब की स्थापना को मंजूरी दी गई है, जिसकी अनुमानित लागत 8 लाख रुपये है। यह अत्याधुनिक सुविधा छात्रों को नवीनतम मीडिया तकनीकों का उपयोग करने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगी।

नई कैंटीन सुविधाएँ:

कैंपस और प्रशासनिक ब्लॉक दोनों में एक कैंटीन जोड़ी जाएगी, जिससे छात्रों और कर्मचारियों के लिए भोजन और पेय पदार्थों तक सुविधाजनक पहुँच सुनिश्चित होगी।

उत्कृष्ट एथलीटों के लिए प्रोत्साहन

विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में पदक जीतने वाले छात्रों को प्रोत्साहन प्रदान करेगा, उनकी असाधारण उपलब्धियों को मान्यता देगा और प्रोत्साहित करेगा। वित्त समिति की बैठक के बाद कुलपति प्रो . पूनम टंडन ने कहा हम अपने छात्रों को सर्वोत्तम शैक्षिक वातावरण प्रदान करने के लिए समर्पित है। इन नए कार्यक्रमों और विकास परियोजनाओं की स्वीकृति अकादमिक उत्कृष्टता और बुनियादी ढाँचे को बढ़ाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ये पहल हमारे छात्रों को महत्वपूर्ण रूप से लाभान्वित करेंगी, उन्हें सफल होने के लिए आवश्यक संसाधन और सुविधाएँ प्रदान करेंगी।

Nirbhik India

डीडीयू परीक्षार्थी ध्यान दें

गोरखपुर, संवाददाता

माननीय कुलपति जी के आदेश दिनांक 11/07/2024 के क्रम में समस्त सम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि एम0ए0 गृह विज्ञान के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर, एम0ए0 कंटीनुईंग एंड एडल्ट एजुकेशन के द्वितीय सेमेस्टर, एम0एस-सी0 वनस्पति विज्ञान के द्वितीय सेमेस्टर, एम0एस-सी0 एक्वाकल्चर के द्वितीय सेमेस्टर, एम0एस-सी0 फूड टेक्रोलॉजी के द्वितीय सेमेस्टर, एम0ए0 शारीरिक शिक्षा के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर, एम0एस-सी0 (कृषि) जेनेटिक एंड प्लांट ब्रीडिंग एवं एम0एस-सी0 (कृषि) बी0बी0ए0 के द्वितीय सेमेस्टर सत्र 2023-24 का परीक्षाफल घोषित किया जा रहा है। उक्त परीक्षाफल विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.ddugu.ac.in पर अप लोड है

Processed using the free version of Make Watermark. The paid version does not add this mark.